टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड
THDC INDIA LIMITED

(अनुसूची 'ए' मिनी रत्न कैटेगरी-I, पीएसयू, एनटीपीसी लिमिटेड की सहायक कंपनी)
(Schedule 'A' Mini Ratna Category-I PSU, a subsidiary of NTPC Limited)

Great Place To Work. Certified

गंगावतरणम्
GANGAVATARANAM

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की गृह पत्रिका

जुलाई, 2026

मुख्य संरक्षक
श्री सिपन कुमार गर्ग
प्रबंध निदेशक

संपादक
डॉ. ए. एन. त्रिपाठी
मुख्य महाप्रबंधक
(मा. सं. एवं प्रशा. एवं जनसंपर्क)

उप संपादक
डॉ. काजल परमार
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

विशिष्ट सहयोग
श्री पंकज कुमार शर्मा
उप प्रबंधक (राजभाषा)

सहायक संपादक
श्री ईशान भूषण
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

समन्वयक

टिहरी
श्री मनबीर सिंह नेगी
प्रबंधक (जनसंपर्क)

खुर्जा
श्री प्रभात कुमार
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

पीपलकोटी
श्री यतवीर सिंह चौहान, प्रबंधक (जनसंपर्क)
व **श्री अविनाश कुमार**
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

ऋषिकेश
श्री अभिषेक तिवारी
जनसंपर्क अधिकारी

संपादकीय

'गंगावतरणम्' के जुलाई 2026 अंक में आपका हार्दिक स्वागत है।

प्रत्येक माह की भाँति इस अंक में भी टीएचडीसी परिवार की प्रमुख गतिविधियों, उपलब्धियों तथा रचनात्मक प्रयासों को आपके समक्ष प्रस्तुत किया गया है। बीता माह संगठन के लिए विशेष रूप से गौरवपूर्ण रहा। इस दौरान हमने टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड का 39वाँ स्थापना दिवस उत्साह, गरिमा और नए संकल्पों के साथ मनाया। इस माह टीएचडीसी को एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त हुई, जब संगठन को उत्तराखण्ड के द्वितीय सर्वाधिक करदाता के रूप में सम्मानित किया गया। यह सम्मान संगठन की सुदृढ़ वित्तीय प्रगति, पारदर्शी कार्यप्रणाली तथा राष्ट्र निर्माण में उसके निरंतर योगदान का प्रतीक है।

इस अंक में प्रबंध निदेशक महोदय के खुर्जा सुपर थर्मल विद्युत परियोजना दौरे का विस्तृत विवरण भी सम्मिलित है। उनके मार्गदर्शन में आयोजित समीक्षा बैठकों एवं विभिन्न संवादों ने परियोजना की प्रगति, कार्यकुशलता तथा भावी रणनीतियों को नई दिशा प्रदान की। इसी क्रम में परियोजना में एनटीपीसी के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आयोजित समीक्षा एवं विचार-विमर्श तथा 1,500वें कोयला रेक की प्राप्ति जैसी उपलब्धियाँ परिचालन उत्कृष्टता की दिशा में महत्वपूर्ण मील के पत्थर हैं।

निर्माणाधीन परियोजनाओं के क्षेत्र में भी टीएचडीसी ने उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। विष्णुगाड-पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना में यूनिट-1 के रनर विद शाफ्ट (Runner with Shaft) का सफल लोअरिंग परियोजना की प्रगति का एक महत्वपूर्ण चरण है, जो हमारे अभियंताओं और परियोजना दल की तकनीकी दक्षता, समर्पण तथा उत्कृष्ट समन्वय को दर्शाता है।

इसी बीच कर्मचारी विकास और क्षमता निर्माण की दिशा में भी अनेक महत्वपूर्ण पहलें की गईं। एचआरडी केन्द्र तथा खुर्जा परियोजना में आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों ने कर्मचारियों के ज्ञान, कौशल और व्यावसायिक दक्षता को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसी प्रकार टिहरी में साप्ताहिक विशेषज्ञ चिकित्सा शिविरों की शुरुआत कर्मचारी कल्याण तथा स्थानीय समुदाय को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराने की दिशा में एक सराहनीय पहल है।

सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के अंतर्गत टीएचडीसी लेडीज़ वेलफेयर एसोसिएशन के वार्षिक उत्सव तथा विभिन्न जनकल्याणकारी कार्यक्रमों ने संगठन में सहभागिता, सृजनात्मकता और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को और अधिक सुदृढ़ किया। ऐसे आयोजन संगठनात्मक संस्कृति को समृद्ध बनाने के साथ-साथ आपसी सहयोग और पारिवारिक वातावरण को भी सशक्त करते हैं।

'गंगावतरणम्' केवल समाचारों का संकलन नहीं है, बल्कि यह टीएचडीसी परिवार की सामूहिक सोच, अनुभवों और रचनात्मक अभिव्यक्तियों का साझा मंच भी है। इस अंक में हमारे सहकर्मियों द्वारा लिखे गए लेख, विचार और अनुभव भी सम्मिलित हैं, जो ज्ञान-साझाकरण तथा सकारात्मक संवाद की हमारी संस्कृति को और समृद्ध बनाते हैं।

हमें विश्वास है कि इस अंक की सामग्री आपको संगठन की विविध गतिविधियों और उपलब्धियों से अवगत कराने के साथ-साथ टीएचडीसी परिवार से और अधिक जुड़ाव का अनुभव भी कराएगी। आप सभी से अनुरोध है कि भविष्य में भी अपने लेख, अनुभव, नवाचार, सुझाव तथा रचनात्मक अभिव्यक्तियाँ हमें भेजते रहें, ताकि 'गंगावतरणम्' टीएचडीसी परिवार की उपलब्धियों, विचारों और अनुभवों का सशक्त दस्तावेज बना रहे।

डॉ. ए. एन. त्रिपाठी
संपादक

प्रबंध निदेशक का निगम के 39वें स्थापना दिवस के अवसर पर संदेश

मेरे प्रिय साथियों,

39वें स्थापना दिवस के अवसर पर मैं टीएचडीसी परिवार के सभी सदस्यों को हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ।

आप सभी से संवाद करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता और गर्व का अनुभव हो रहा है। स्थापना दिवस किसी भी संगठन के लिए एक विशेष अवसर होता है। जिस प्रकार हम अपना जन्मदिन मनाते हुए बीते वर्ष पर नज़र डालते हैं, अपनी उपलब्धियों का आकलन करते हैं और आने वाले समय के लिए नए लक्ष्य निर्धारित करते हैं, उसी प्रकार स्थापना दिवस भी आत्ममंथन और नए संकल्पों का अवसर होता है।

मेरा मानना है कि इसे केवल 'स्थापना दिवस' नहीं, बल्कि 'स्थापना माह' कहा जाना चाहिए, क्योंकि 38 वर्षों की हमारी स्वर्णिम यात्रा और उपलब्धियों को एक दिन में समेट पाना संभव नहीं है। पिछले 38 वर्षों में टीएचडीसी ने जो उपलब्धियाँ अर्जित की हैं, वे वास्तव में प्रेरणादायक हैं। हर संस्था के जीवन में कुछ ऐसे वर्ष आते हैं, जो उसके इतिहास की दिशा बदल देते हैं। बीता हुआ वर्ष टीएचडीसी के लिए भी ऐसा ही एक ऐतिहासिक वर्ष रहा है। जिन लक्ष्यों और भविष्य की परियोजनाओं को हम पूरा करने का संकल्प लेकर आगे बढ़े थे, उनमें उल्लेखनीय प्रगति हुई है और अनेक महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हमने हासिल की हैं। इन सभी सफलताओं के लिए टीएचडीसी परिवार का प्रत्येक सदस्य बधाई का पात्र है।

टीएचडीसी की शुरुआत वर्ष 1988 में एकल प्रोजेक्ट कंपनी के रूप में हुई थी। उस समय हमें 'टिहरी जल विद्युत परियोजना' के निर्माण का महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया था। हमारी यात्रा की शुरुआत 1,000 मेगावाट की टिहरी परियोजना से हुई थी। आज गर्व की बात है कि हम 2,400 मेगावाट क्षमता वाले टिहरी काम्प्लेक्स का सफलतापूर्वक संचालन कर रहे हैं।

बीता वर्ष हमारे लिए वास्तव में अविस्मरणीय रहा है। दो वर्ष पहले हमारी संस्थापित क्षमता 1,587 मेगावाट थी। पिछले स्थापना दिवस तक यह बढ़कर 2,747 मेगावाट हो गई और आज हमारी कुल संस्थापित क्षमता 3,918 मेगावाट तक पहुँच चुकी है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में हमने 11,907 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन किया, जो अब तक का सर्वाधिक उत्पादन है। आज टिहरी कॉम्प्लेक्स अपनी पूर्ण 2,400 मेगावाट क्षमता के साथ कार्य कर रहा है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि का श्रेय टिहरी तथा कारपोरेट कार्यालय की उन सभी टीमों को जाता है, जिन्होंने पूरी प्रतिबद्धता के साथ अपना योगदान दिया। इस उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए आप सभी बधाई के पात्र हैं।

हमारी सभी परियोजनाओं ने पिछले वर्ष उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। कोटेश्वर जल विद्युत परियोजना ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में पिछले दस वर्षों का सर्वाधिक विद्युत उत्पादन दर्ज किया। इसी प्रकार, हमने 1,320 मेगावाट खुर्जा सुपर ताप विद्युत परियोजना को रिकॉर्ड समय में कमीशन किया। सबसे संतोषजनक बात यह रही कि प्रथम वर्ष की अनेक चुनौतियों के बावजूद परियोजना का प्लांट उपलब्धता कारक (Plant Availability Factor) 85 प्रतिशत से अधिक रहा, जो अपने आप में एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मैं संपूर्ण खुर्जा टीम को हार्दिक बधाई देता हूँ। हमारी अमेलिया कोल माइन अब तक 108 लाख मीट्रिक टन से अधिक कोयले का उत्पादन कर चुकी है, जिससे खुर्जा सुपर ताप विद्युत परियोजना को कोयले की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित हो रही है।

यदि हम ढुकवाँ जल विद्युत परियोजना की बात करें, तो इसने पिछले वर्ष 79.2 मिलियन यूनिट का दूसरा सर्वाधिक वार्षिक विद्युत उत्पादन दर्ज किया है। साथ ही, अगस्त 2025 में 13.06 मिलियन यूनिट का अब तक का सर्वाधिक मासिक विद्युत उत्पादन भी हासिल किया है। द्वारका पाटन पवन ऊर्जा परियोजना भी लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही है। वहीं, कासरगोड सौर ऊर्जा परियोजना ने 90 मिलियन यूनिट के लक्ष्य के मुकाबले 90.93 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन कर उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है।

जब हम टीएचडीसी की बढ़ती हुई आय और लाभ की बात करते हैं, तो ये केवल आँकड़े नहीं होते। वर्ष 2024-25 में हमारी परिचालन आय ₹2,682.80 करोड़ थी। आज यह बढ़कर ₹7,061 करोड़ के आँकड़े तक पहुँच चुकी है। इसी प्रकार हमारा करोत्तर लाभ (Profit After Tax) ₹732.91 करोड़ से बढ़कर अब ₹1,036.15 करोड़ हो गया है। लेकिन ये उपलब्धियाँ अपने आप नहीं मिली हैं। इनके पीछे आप सभी का समर्पण, कड़ी मेहनत और उत्कृष्ट कार्य निष्पादन है। आप सभी ने अपना शत-प्रतिशत योगदान दिया है। तभी ये उपलब्धियाँ संभव हो सकी हैं। इन उपलब्धियों के लिए मैं टीएचडीसी परिवार के प्रत्येक सदस्य को हृदय से बधाई देता हूँ।

यदि हम अपनी निर्माणाधीन परियोजनाओं की बात करें, तो विष्णुगाड-पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना में भी हमने महत्वपूर्ण प्रगति हासिल की है। अप्रैल 2026 में परियोजना की प्रथम इकाई में स्टेटर लोअरिंग का कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया गया, जो परियोजना के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसी प्रकार, हेड रेस टनल का निर्माण, जिसे टनल बोरिंग मशीन के माध्यम से किया जा रहा है, लगभग 86 प्रतिशत, पूरा हो चुका है। अब हम इसके पूर्ण होने के बहुत करीब हैं।

इस उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए मैं विष्णुगाड-पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना की पूरी टीम को हृदय से बधाई देता हूँ। चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी टीम ने जिस समर्पण, तकनीकी दक्षता और टीम भावना के साथ कार्य किया है, वह सराहनीय है। मुझे विश्वास है कि आपने परियोजना के लिए जो लक्ष्य निर्धारित किए हैं, उन्हें भी आप इसी प्रतिबद्धता और उत्कृष्ट कार्यशैली के साथ समयबद्ध रूप से प्राप्त करेंगे। मैं पूरी टीम को अपनी शुभकामनाएँ देता हूँ और आशा करता हूँ कि आप सभी इसी समर्पण और उत्साह के साथ आगे भी कार्य करते रहेंगे।

यदि हम अपनी नई परियोजनाओं की बात करें, तो कलई-II जल विद्युत परियोजना भी तेज़ी से आगे बढ़ रही है। अप्रैल 2026 में परियोजना को कैबिनेट का अनुमोदन प्राप्त हुआ तथा जून, 2026 में वन स्वीकृति और पर्यावरण स्वीकृति भी प्राप्त हो चुके हैं। भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया भी संतोषजनक गति से आगे बढ़ रही है। हालाँकि इस दौरान कई चुनौतियाँ सामने आईं, लेकिन परियोजना टीम ने उन्हें पूरी प्रतिबद्धता और दक्षता के साथ संभाला है। मुझे विश्वास है कि शीघ्र ही यह प्रक्रिया पूरी होगी और परियोजना का कार्य धरातल पर तेज़ी से आगे बढ़ेगा। मैं कलई-II की पूरी टीम को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए बधाई देता हूँ और भविष्य के लिए अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ।

हमारा संयुक्त उपक्रम टुस्को भी अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति कर रहा है। टुस्को के माध्यम से 2,000 मेगावाट सोलर पार्क का विकास किया जा रहा है। इस परियोजना के तीनों भागों के लिए इम्प्लिमेन्टेशन अग्रीमेन्ट पर हस्ताक्षर हो चुके हैं और दिसंबर 2026 तक इनके पूर्ण होने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मुझे विश्वास है कि टुस्को की टीम इसी समर्पण और उत्कृष्ट कार्यशैली के साथ निर्धारित समय-सीमा के भीतर इस लक्ष्य को प्राप्त करेगी।

पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट के क्षेत्र में भी निगम लगातार अपनी उपस्थिति मजबूत कर रहा है। महाराष्ट्र में लगभग 5,400 मेगावाट, छत्तीसगढ़ में 1,400 मेगावाट तथा देश के अन्य राज्यों में भी हमारे पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट पर कार्य प्रगति पर है। मुझे प्रसन्नता है कि हमारी तकनीकी टीम पूरी प्रतिबद्धता और दक्षता के साथ इन परियोजनाओं को आगे बढ़ा रही हैं। मुझे विश्वास है कि निकट भविष्य में हम इनमें से कई परियोजनाओं पर निर्माण कार्य प्रारंभ करने की स्थिति में होंगे। अक्षय ऊर्जा के बढ़ते विस्तार के साथ पंप स्टोरेज भविष्य की ऊर्जा भंडारण व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण आधार बनने जा रहा है। मुझे विश्वास है कि इस क्षेत्र में टीएचडीसी एक मजबूत और अग्रणी भूमिका निभाएगा। यह न केवल संगठन के लिए, बल्कि देश की ऊर्जा सुरक्षा और ऊर्जा पारगमन की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी।

हमारी परियोजनाओं के साथ-साथ कारपोरेट कार्यालय के सभी विभागों ने भी संगठन की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। चाहे टेक्निकल, प्रोजेक्ट्स, वित्त, मानव संसाधन, वाणिज्यिक, संविदा एवं प्रोक्युर्मेंट, कारपोरेट नियोजन, एमपीएस, विधि, परामर्श सेवाएं

या कंपनी सचिव, आदि हर विभाग ने अपनी जिम्मेदारियों का उत्कृष्ट ढंग से निर्वहन किया है। वाटर सैस, कोटेश्वर से संबंधित महत्वपूर्ण मामले, कलाई-।। के पीपीए (विद्युत क्रय समझौता) पर हस्ताक्षर, ग्रेट प्लेस टू वर्क सर्टिफिकेट तथा हमारी क्रेडिट रेटिंग का AA से AA+ होना, ये सभी उपलब्धियाँ हमारी सामूहिक मेहनत और टीमवर्क का परिणाम हैं।

इन उपलब्धियों के लिए मैं सभी विभागों और प्रत्येक कर्मचारी को हृदय से बधाई देता हूँ। आप सभी ने टीएचडीसी की विकास यात्रा को नई गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

आप सभी का समर्पण, क्षमता और टीम भावना ही टीएचडीसी की वास्तविक ताकत है। यही सामूहिक भावना हमें निरंतर आगे बढ़ने और नई ऊँचाइयों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित करती है। मेरा आप सभी से आग्रह है कि इसी सकारात्मक सोच, आपसी विश्वास और टीम भावना के साथ संगठन की विकास यात्रा में अपना योगदान देते रहें।

विद्युत क्षेत्र तेजी से बदल रहा है और समय के साथ बदलाव को अपनाना हमारी आवश्यकता भी है और हमारी ताकत भी। मुझे विश्वास है कि टीएचडीसी परिवार हर परिवर्तन को एक नए अवसर में बदलते हुए संगठन को नई सफलताओं की ओर ले जाएगा।

पिछले वर्ष हमने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। अब हमारी जिम्मेदारी है कि उसी प्रतिबद्धता और उत्कृष्टता के साथ आने वाले वर्षों में भी इस सफलता को आगे बढ़ाएँ। मुझे पूरा विश्वास है कि टीएचडीसी टीम अपनी क्षमता, अनुभव और टीम भावना के बल पर नए कीर्तिमान स्थापित करेगी।

अंत में मैं बस इतना कहना चाहूँगा कि आज टीएचडीसी जिस मुकाम पर है, वह हमारे वर्तमान और पूर्व कर्मचारियों, सेवानिवृत्त साथियों, सहयोगियों तथा कार्यबल के वर्षों के समर्पण और मेहनत का परिणाम है। हम उन सभी के योगदान को कृतज्ञतापूर्वक स्मरण करते हैं और उनके प्रति अपना हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं।

अब हमारी जिम्मेदारी है कि हम इस विरासत को और आगे बढ़ाएँ तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए टीएचडीसी को और अधिक सशक्त, विश्वसनीय और गौरवशाली बनाएं।

मैं टीएचडीसी परिवार के सभी कर्मचारियों, सेवानिवृत्त साथियों, सहयोगियों, संविदा कार्यबल तथा उनके परिवारजनों का विशेष रूप से धन्यवाद करता हूँ। परिवारों का सहयोग हमारी सबसे बड़ी ताकत है। उनके समर्थन के बिना हमारी उपलब्धियाँ संभव नहीं होतीं।

इन्हीं शुभकामनाओं के साथ मैं आप सभी के उत्तम स्वास्थ्य, सुख, समृद्धि और निरंतर सफलता की कामना करता हूँ।

जय हिन्द!

जय उत्तराखण्ड!

जय टीएचडीसी!

सिपन कुमार गर्ग
प्रबंध निदेशक

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ने 39वां स्थापना दिवस मनाया; नवाचार, सतत विकास और ऊर्जा सुरक्षा की दिशा में सशक्त संकल्प दोहराया

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, विद्युत क्षेत्र के अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम ने ऋषिकेश स्थित अपने कॉरपोरेट कार्यालय और देश भर में मौजूद अपनी सभी परियोजनाओं और यूनिट कार्यालयों में 39वां स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर कंपनी ने प्रचालनात्मक उत्कृष्टता, नवाचार, सतत विकास और भारत की ऊर्जा क्षमता को बढ़ाने में लगातार योगदान देने के अपने संकल्प को दोहराया।

समारोह की शुरुआत श्री सिपन कुमार गर्ग, प्रबंध निदेशक, टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड द्वारा ध्वजारोहण करने के साथ की गई। सभा को संबोधित करते हुए, श्री सिपन कुमार गर्ग ने कंपनी की शुरुआत से अब तक की शानदार यात्रा पर चर्चा की और कंपनी को भारत के विद्युत क्षेत्र की अग्रणी कंपनियों में से एक बनाने में कर्मचारियों के समर्पण और सामूहिक प्रयासों की सराहना की। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि स्थापना दिवस न केवल उपलब्धियों का जश्न है, बल्कि नवाचार, प्रचालन उत्कृष्टता और सतत वृद्धि के प्रति टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की प्रतिबद्धता को पुन: दोहराने का एक अवसर भी है।

कंपनी की हालिया उपलब्धियों का ज़िक्र करते हुए, श्री सिपन कुमार गर्ग ने टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के हर कर्मचारी की समर्पित कोशिशों की प्रशंसा की, जिनकी वजह से विकास और कामयाबी का यह शानदार साल संभव हो पाया। हाल ही में 1000 मेगावाट के टिहरी वेरिएबल स्पीड पंप स्टोरेज प्लांट और 1320 मेगावाट के खुर्जा सुपर थर्मल पावर प्रोजेक्ट के चालू होने से टीएचडीसी की विकास यात्रा में अहम पड़ाव प्राप्त हुए हैं। श्री गर्ग ने कहा कि कंपनी का यह बेहतरीन प्रदर्शन टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के सभी कर्मचारियों के सामूहिक समर्पण, प्रतिबद्धता और निरंतर प्रयासों का परिणाम हैं। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि टीएचडीसी, 'पंप स्टोरेज' सेक्टर में एक प्रमुख शक्ति बनकर और देश की ऊर्जा सुरक्षा को मज़बूत करके, भारत की विकास यात्रा में अहम भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

स्थापना दिवस समारोह में संगठन में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। कर्मचारियों को उनके शानदार प्रदर्शन, नवाचारी कार्यों और समर्पित सेवा के लिए अलग-अलग श्रेणियों में पुरस्कृत किया गया। इनमें मेरिटोरियस अवॉर्ड, सजेशन मेला अवॉर्ड, इनोवेशन अवॉर्ड, स्विफ्ट डिसीजन-मेकिंग अवॉर्ड, बेस्ट इम्प्लॉई, गौरव अवॉर्ड और नमन अवॉर्ड शामिल थे। टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के पूर्व निदेशक (वित्त), श्री जे. बेहेरा को कंपनी के वित्तीय ढांचे को मजबूत करने और संस्थागत विकास में उनके उत्कृष्ट नेतृत्व और अमूल्य योगदान के लिए 'नमन पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर श्री एल.पी.जोशी, मुख्य तकनीकी अधिकारी, श्री कुमार शरद, कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएं), डॉ. ए.एन.त्रिपाठी, मुख्य महाप्रबंधक (मा.सं. व प्रशा. एवं के.सं.) तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

ऋषिकेश

पीपलकोटी

खुर्जा

कौशांबी

अमेलिया

टिहरी

कोटेश्वर

द्वारका

लखनऊ

चित्रकूट

ललितपुर

झांसी

देहरादून

THDC India Limited Honoured as Second Highest Taxpayer in Uttarakhand

THDC India Limited has been honoured as the Second Highest Taxpayer in Uttarakhand during the Income Tax Day celebrations held on 24 July, 2026 in Dehradun. The recognition reflects the Company's consistent commitment to financial discipline, statutory compliance, and responsible corporate governance.

Sh. Sipan Kumar Garg, Managing Director, THDC India Limited said that it is a matter of great pride for the entire THDC India Limited family. As a leading Central Public Sector Enterprise with deep roots in Uttarakhand, THDCIL has always remained committed to contributing not only through reliable power generation but also by fostering the socio-economic development of the State. Through infrastructure development, community welfare initiatives, environmental stewardship, and sustained investments in the region, THDCIL have endeavoured to create lasting value for the people of Uttarakhand.

The award was presented by Ms. Aparna Karan, IRS, Principal Chief Commissioner of Income Tax, UP (West) & Uttarakhand Region, in recognition of THDC India Limited's exemplary tax compliance and significant contribution to nation-building. The Income Tax Department annually honours leading taxpayers on Income Tax Day to acknowledge organisations demonstrating transparency, sound corporate governance, financial discipline, and consistent compliance with statutory obligations.

The recognition reflects THDC India Limited's sustained financial performance, prudent fiscal management, and unwavering adherence to statutory obligations. It also reinforces the Company's position as a financially strong and socially responsible public sector enterprise committed to creating sustainable value for the nation, the State of Uttarakhand, and all its stakeholders.

श्री सिपन कुमार गर्ग, प्रबंध निदेशक-टीएचडीसीआईएल द्वारा खुर्जा उच्च ताप विद्युत परियोजना का दौरा

श्री सिपन कुमार गर्ग, प्रबंध निदेशक ने 18 जुलाई, 2026 को खुर्जा उच्च ताप विद्युत परियोजना का दौरा किया। श्री कुमार शरद, कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएं) ने श्री सिपन कुमार गर्ग का शाल भेंट कर स्वागत किया एवं श्रीमती बिनीता शरद ने श्रीमती पूजा गर्ग महोदया का शाल भेंट कर स्वागत किया। श्री बिनोद कुमार साहू, मुख्य महाप्रबंधक (परियोजना) ने श्री सिपन कुमार गर्ग का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया एवं श्रीमती पूजा गर्ग का भी पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया। प्रबंध निदेशक ने कार्यपालक निदेशक एवं मुख्य महाप्रबंधक (परियोजना) सहित विभागाध्यक्षों व समस्त कार्मिकों के साथ बैठक की और परियोजना कार्यों का जायजा लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में श्री कुमार शरद, कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएं), श्री बिनोद कुमार साहू, मुख्य महाप्रबंधक (परियोजना), श्री संदीप भटनागर, महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा), श्री अरुण कुमार, अपर महाप्रबंधक (ओएंडएम), श्री आई.डी. तिग्गा, अपर महाप्रबंधक (विधि), श्री एन.के.भट्ट, अपर महाप्रबंधक (सतर्कता-खुर्जा), श्री मुकुल कुमार शर्मा, अपर महाप्रबंधक (नियोजन), श्री राजेश कुमार यादव, उप महाप्रबंधक (आई.टी./टेक.सेल), श्री दिलीप कुमार द्विवेदी, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन), श्री प्रवीण कुमार नौटियाल, उप महाप्रबंधक (राख उपयोग/सीएंडएमएम), श्री विजय सिंह बिष्ट, उप महाप्रबंधक (सीएसआर/सुरक्षा/पर्यावरण/क्यू.सी.), श्री रमेश चंद्र, उप महाप्रबंधक (यांत्रिक/संपदा), श्री कन्नादासन. एस, उप महाप्रबंधक (यांत्रिक), श्री आर एस पांडे, उप महाप्रबंधक (सी.एच.पी.), श्री अरविन्द कुमार यादव, उप महाप्रबंधक (यांत्रिक), और टीएचडीसी-खुर्जा के अन्य अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

बैठक के उपरांत प्रबंध निदेशक ने परियोजना के सभी महत्वपूर्ण हिस्सों का भ्रमण कर परियोजना कार्यों का जायजा लिया। इस अवसर पर श्री सिपन कुमार गर्ग ने श्रीमती पूजा गर्ग सहित परियोजना परिसर में वृक्षारोपण किया।

THDCIL Achieves Major Milestone at VPHEP with Successful Lowering of Runner with Shaft of Unit 1

THDC India Limited has achieved another significant milestone at its 4X111 MW Vishnugad-Pipalkoti Hydro Electric Project (VPHEP) with the successful lowering of the Runner with Shaft of Unit#1. This milestone marks a major advancement in the unit's electro-mechanical installation, bringing Unit#1 significantly closer to commissioning.

Sh. Sipan Kumar Garg, MD, THDCIL conveyed his congratulations to Team VPHEP on this achievement. Sh. Garg stated that the accomplishment demonstrates the unwavering commitment, technical excellence, and effective coordination of the THDCIL team and all associated agencies in executing complex Electro-Mechanical works.

The lowering of the Runner with Shaft is among the most critical milestones in the installation of a hydroelectric generating unit. The Runner is the principal rotating component of a hydro turbine, designed to convert the hydraulic energy of flowing water into mechanical rotational energy, which is subsequently transformed into electrical energy by the generator.

Sh. Ajay Verma, ED (VPHEP) described the successful lowering of the runner as a landmark achievement. He expressed confidence that the project team will achieve the remaining milestones leading to the successful commissioning of the project.

The milestone was marked in the presence of Sh. Ajay Verma, Executive Director (VPHEP) and Sh. Ravindra Singh Rana, General Manager (Electro-Mechanical) along with other senior THDCIL officers, M/s. BHEL & M/s. HCC officials and dedicated members of the project.

खुर्जा सुपर ताप विद्युत परियोजना में एनटीपीसी के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा एवं विचार-विमर्श

श्री रवींद्र कुमार, निदेशक (ऑपरेशन) एनटीपीसी, श्री चंद्रमौलि कसीना, कार्यपालक निदेशक (एसएसइए) एवं श्री संजीव कुमार सिंह, महाप्रबंधक (ओएस एसआईआईएस) ने खुर्जा उच्च ताप विद्युत परियोजना का भ्रमण कर परियोजना के विभिन्न महत्वपूर्ण स्थलों का अवलोकन किया। श्री कुमार शरद, कार्यपालक निदेशक, (परियोजनाएं) एवं श्री बिनोद कुमार साहू, मुख्य महाप्रबंधक (परियोजना) ने श्री रवींद्र कुमार, निदेशक (ऑपरेशन) एनटीपीसी, श्री चंद्रमौलि कसीना, कार्यपालक निदेशक (एसएसइए) एवं श्री संजीव कुमार सिंह, महाप्रबंधक (ओएसएसआईआईएस) का प्लांटर एवं शाल भेंट कर स्वागत एवं अभिनंदन किया । इस अवसर पर श्री कुमार शरद, कार्यपालक निदेशक,(परियोजनाएं), श्री बिनोद कुमार साहू, मुख्य महाप्रबंधक (परियोजना) सहित टीएचडीसी के अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण एवं स्टैग एजेंसी के अधिकारी भी उपस्थित रहे । भ्रमण के उपरांत श्री रवींद्र कुमार ने परियोजना के शीर्ष अधिकारियों एवं सभी विभागाध्यक्षों के साथ बैठक कर परियोजना कार्यों की प्रगति की समीक्षा की तथा विभिन्न तकनीकी एवं परिचालन संबंधी विषयों पर चर्चा की। कार्यक्रम के समापन पर श्री कुमार शरद, कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएं), ने श्री रवींद्र कुमार, श्री चंद्रमौलि कसीना एवं श्री संजीव कुमार सिंह का आभार व्यक्त करते हुए उनके मार्गदर्शन एवं बहुमूल्य सुझावों के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

केएसटीपीपी ने 1500वां कोयला रेक प्राप्त कर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के खुर्जा सुपर थर्मल विद्युत परियोजना ने 27 जुलाई, 2026 को रेलवे साइडिंग यार्ड पर 1500वां कोयला रेक प्राप्त कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। यह रेक मध्य प्रदेश के अमेलिया स्थित परियोजना की कैप्टिव कोयला खदान से प्राप्त हुई। इसके साथ ही संयंत्र को अब तक लगभग 56 लाख टन कोयला प्राप्त हो चुका है। श्री सिपन कुमार गर्ग, प्रबंध निदेशक ने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर केएसटीपीपी की पूरी टीम को बधाई दी। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड देश को ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निरंतर महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। अपनी तापीय, जलविद्युत, सौर एवं पंप स्टोरेज परियोजनाओं के माध्यम से कंपनी स्वच्छ, विश्वसनीय और सतत ऊर्जा उपलब्ध कराकर 'आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प को साकार कर रही है।

थर्मल पावर प्लांट कोयले पर आधारित होते हैं और कोयला रेक की नियमित आवाजाही निर्बाध ईंधन आपूर्ति, बेहतर प्लांट लोड फैक्टर तथा विश्वसनीय विद्युत उत्पादन सुनिश्चित करती है। 1500वीं रेक की प्राप्ति कोयला आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। यह पावर प्लांट और भारतीय रेलवे के बीच सतत लॉजिस्टिक समन्वय को दर्शाता है। इतनी बड़ी संख्या में रेक का सफलतापूर्वक संचालन इस बात का संकेत है कि संयंत्र प्रारंभिक/कमीशनिंग चरण से आगे बढ़कर स्थिर एवं सतत संचालन की अवस्था में पहुँच चुका है, तथा रेलवे साइडिंग, अनलोडिंग अवसंरचना, कन्वेयर सिस्टम और स्टॉकयार्ड प्रबंधन कुशलतापूर्वक कार्य कर रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि पहली कोयला रेक 07 अगस्त, 2024 को केएसटीपीपी पहुँची थी। तब से निरंतर और सुव्यवस्थित रेक प्राप्ति ने परियोजना की बढ़ती परिचालन परिपक्वता और विभिन्न एजेंसियों के बीच मजबूत समन्वय को प्रदर्शित किया है। यह उपलब्धि सुनियोजित योजना, खदान से समन्वित डिस्पैच, प्रभावी रेल लॉजिस्टिक्स तथा सुव्यवस्थित ऑन-साइट हैंडलिंग सिस्टम का परिणाम है। यह उपलब्धि संयंत्र की उत्पादन लक्ष्यों को पूरा करने और क्षेत्रीय ग्रिड स्थिरता में योगदान देने की तत्परता को भी दर्शाता है। फील्ड इंजीनियरों, ऑपरेशन टीमों, खदान प्रबंधन और रेलवे अधिकारियों की भूमिका निरंतर रेक संचालन और दीर्घकालिक ईंधन सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण रही है।

श्री कुमार शरद, कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएं) ने भी केएसटीपीपी टीम को इस उपलब्धि पर बधाई दी। डावर रेलवे स्टेशन तथा एनसीआर प्रयागराज के रेलवे अधिकारियों को उनके निरंतर सहयोग और समन्वय के लिए विशेष धन्यवाद दिया। इस अवसर पर श्री बिनोद कुमार साहू, परियोजना प्रमुख, श्री संदीप भटनागर, मुख्य महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा), श्री एन.के. भट्ट, अपर महाप्रबंधक (सतर्कता), श्री मुकुल शर्मा, अपर महाप्रबंधक श्री राजेश कुमार यादव, उप महाप्रबंधक (आरएस/आईटी), श्री दिलीप द्विवेदी, उप महाप्रबंधक, श्री विजय बिष्ट, श्री जितेंद्र कुमार, वरिष्ठ प्रबंधक, (टाउनशिप), तथा केएसटीपीपी और आरआईटीईएस के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

खुर्जा परियोजना में तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया

खुर्जा परियोजना में दिनांक 27 से 29 जुलाई, 2026 तक संचालन और रखरखाव (ओएंडएम) विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। यह प्रशिक्षण प्रतिदिन प्रातः 09:30 बजे से सायं 05:30 बजे तक आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों के तकनीकी ज्ञान, व्यावसायिक दक्षता एवं परिचालन क्षमता का विकास करना तथा उन्हें सुपर थर्मल पावर परियोजनाओं के सुरक्षित, विश्वसनीय एवं दक्ष संचालन एवं अनुरक्षण से संबंधित नवीनतम तकनीकों, मानकों एवं सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों से अवगत कराना था।

प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञ श्री प्रदीप चंदा द्वारा बॉयलर, टरबाइन, जनरेटर, ऐश हैंडलिंग (एएचपी), इलेक्ट्रोस्टैटिक प्रीसिपिटेटर (ईएसपी), फ्ल्यू गैस डीसल्फराइजेशन (एफजीडी), जल एवं रसायन प्रणाली, औद्योगिक सुरक्षा, निवारक एवं पूर्वानुमान आधारित अनुरक्षण तथा परिचालन संबंधी चुनौतियों एवं उनके प्रभावी समाधान जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

प्रशिक्षण के दौरान प्रश्नोत्तरी सत्रों का भी आयोजन किया गया, जिससे प्रतिभागियों को व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त हुआ और उनकी तकनीकी समझ में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक बताया। इस प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागियों की तकनीकी दक्षता, उपकरणों की विश्वसनीयता, सुरक्षा मानकों के अनुपालन तथा प्रभावी अनुरक्षण प्रबंधन के प्रति समझ और अधिक सुदृढ़ हुई।

कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ तथा प्रतिभागियों से अपेक्षा की गई कि वे प्रशिक्षण के दौरान अर्जित ज्ञान एवं अनुभव का उपयोग अपने कार्यक्षेत्र में करते हुए विद्युत उत्पादन की गुणवत्ता, विश्वसनीयता एवं दक्षता को और अधिक सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। कार्यक्रम के दौरान श्री बिनोद कुमार साहू, परियोजना प्रमुख ने अपने संबोधन में प्रशिक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए प्रतिभागियों से प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त ज्ञान एवं अनुभव का अपने कार्यस्थल पर प्रभावी ढंग से उपयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने सुरक्षित, विश्वसनीय एवं दक्ष संचालन के लिए निरंतर सीखने और तकनीकी कौशल को विकसित करने पर भी बल दिया।

THDC India Limited Launches Weekly Specialist Medical Camps at Tehri in Collaboration with HIMS

THDC India Limited in collaboration with the Himalayan Institute of Medical Sciences (HIMS), Jolly Grant, Dehradun, launched Weekly Medical Camps by Specialist doctors at THDCIL Hospital, Bhagirathipuram, Tehri, on 14th July, 2026. The initiative aims to provide regular specialist medical consultation and healthcare services to THDCIL employees, their dependents, and residents of Tehri and adjoining rural areas.

Sh. Sipan Kumar Garg, Managing Director, THDCIL stated that THDCIL continues to remain at the forefront of community welfare and inclusive development, alongside its contribution to power generation and strengthening India's energy security. He emphasized that the launch of Weekly Medical Camps by Specialist doctors marks a significant healthcare milestone for Tehri and reflects THDCIL's sustained commitment to improving the quality of life of communities in and around its operational areas.

Sh. Kumar Sharad, Executive Director (Projects), THDCIL; Sh. R. R. Semwal, CGM (Tehri Complex); Dr. A. N. Tripathi, CGM (HR-Admin,CC), Dr. Vijay Dhasmana, President, Swami Rama Himalayan University (SRHU), Jolly Grant, Dehradun and other senior officers of SRHU, THDCIL were also present during the occasion.

The landmark healthcare initiative has been taken forward through the proactive and persistent efforts of Tarangini Officers' Women Club, THDCIL, Tehri. Under the guidance and support of Smt. Pooja Garg, Chief Patron, Tarangini Officers' Women Club, THDCIL-Tehri, focused efforts were made to facilitate quality specialist healthcare services at the local level for THDCIL personnel, their dependents and communities residing in Tehri and nearby rural areas.

Winners of Award & Reward Scheme

Naman Award 2026

Sh. Judhistir Behera
Former Director (Finance)
THDCIL

Born on 17 February 1964 in Odisha, Sh. J. Behera graduated in Commerce from Sambalpur University and is a member of the Institute of Cost Accountants of India.

He joined THDC India Limited in 1990 with the Tehri Project and, through his distinguished service and financial expertise, rose to serve as Director (Finance) from 16 August 2019 to 2024. During his illustrious career spanning over three decades, Sh. Behera played a key role in strengthening THDCIL's financial systems and governance. He led the implementation of the Financial Management System (FMS), enhancing the efficiency, transparency, and digitalization of the Corporation's financial processes. He also provided strategic leadership in mobilizing financial resources through innovative financing initiatives, contributing significantly to the Corporation's financial strength and sustainable growth. In recognition of his exemplary leadership, unwavering dedication, and invaluable contributions, he was conferred with the "Naman Award."

Gaurav Awards 2026

Dr. R.R. Semwal
CGM (TC)
Tehri

Dr. R. R. Semwal, Chief General Manager (Tehri Power Complex), is a distinguished power sector professional with over three decades of service at THDC India Limited, having joined the organization in 1990. An Electrical Engineering graduate, he holds a Ph.D. from IIT Roorkee, along with postgraduate qualifications in Operations Research and Project Management.

Dr. Semwal has made significant contributions to the planning, design, commissioning, operation, and maintenance of several flagship hydroelectric, pumped storage, and renewable energy projects, including the Tehri HPP, Koteshwar HEP, Tehri PSP, VPHEP, Dhukwan HEP, Patan WPP, and Kalai-II HEP. He currently heads the operation and maintenance of the Tehri Power Complex.

A respected engineer and researcher, Dr. Semwal has authored several technical papers in reputed international IEEE journals. His leadership, technical expertise, and commitment continue to contribute significantly to THDC India Limited and India's sustainable power sector.

Sh. R.K. Verma
GM (Commercial)
Rishikesh

Sh. R. K. Verma, General Manager (Commercial), THDC India Limited, has over 36 years of distinguished experience with the organization. A Mechanical Engineering graduate, he also holds a Post Graduate Certificate in Project Management from IIM Indore.

Over the course of his career, Sh. Verma has made significant contributions in the areas of Commercial, Contracts, Material Management, and Regulatory Affairs. He has played a key role in tariff determination, power sale initiatives, regulatory compliance, commercial strategy, and revenue optimization, contributing to the Corporation's financial strength and sustainable growth. Recognized for his professional excellence, integrity, and strategic leadership, Shri Verma continues to make valuable contributions to THDC India Limited's commercial success and long-term growth.

Sh. Prem Singh Rawat
GM (Project)
APP

Sh. Prem Singh Rawat, GM (Project) is a distinguished hydropower professional with over 37 years of experience in the planning, construction, operation, and maintenance of large hydroelectric projects. He joined THDCIL in 1989 and has played a pivotal role in the successful execution of several flagship projects, including the Tehri HPP, Koteshwar HEP, Tehri PSP, and VPHEP. Currently serving as Head of Project, Kalai-II HEP, Sh. Rawat has provided his expertise in advancing the project by securing key statutory clearances, improving its financial viability, and facilitating the revival of the land acquisition and rehabilitation process through effective stakeholder engagement. Throughout his distinguished career, Sh. Rawat has demonstrated exceptional technical expertise, leadership, and unwavering commitment, making significant contributions to THDC's mission of developing sustainable hydropower infrastructure.

Best Employee Awards (Executive Category)

Sh. Jitendra Joshi
Sr. Manager (Protocol)
Rishikesh

Sh. Saurabh Dwivedi
Sr. Manager(PSP-EM/HM)
Tehri

Sh. Puneet Alang
Manager (O&M)
Khurja

Sh. Ashish Kumar
Manager (D&E)
Rishikesh

Sh. Shariq Shafeeq Khan
Dy. Manager (QC)
VPHEP

Best Employee Awards (Supervisor Category)

Sh. Ganesh Thapliyal
Jr. Engg. (O&M)
Tehri

Sh. Laxmi Prasad Saklani
Jr. Engg. (O&M)
Tehri

Sh. Dheeraj Kumar
Jr. Engg. (Electrical)
Khurja

Sh. Kesh Chandra
Jr. Engineer (E&M)
VPHEP

Best Employee Awards (Workmen Category)

Sh. Bharat Singh Bisht
Sub Officer (HR&A)
Rishikesh

Sh. Raghubir Singh
Work Astt. (F&A)
Tehri

SWIFT DECISION MAKING AWARDS 2026

Sh. Ashish Mamgain
DGM (PSP)
Tehri

Sh. Ashish Mamgain was recognized for his contribution to the successful commissioning of Unit-08 of India's first Variable Speed Pumped Storage Project. He identified recurring failures in the Variable Speed Excitation (VSI) system at an early stage, facilitated the timely procurement of critical spares, and coordinated corrective actions with the OEM and technical experts. His efforts helped ensure the successful commissioning and Commercial Operation Date (COD) of the unit while improving system reliability and avoiding project delays.

Sh. Rajan Aswal
DGM (PSP)
Tehri

Sh. Rajan Aswal was recognized for his timely technical intervention during the commissioning of Unit-5. Faced with a critical actuator valve compatibility issue, he took the swift decision to implement a Pressure Reducing Valve (PRV) Skid solution, avoiding the replacement of critical components. His efforts enabled the timely commissioning of essential dewatering and rewatering systems, ensuring the successful commissioning and Commercial Operation Date (COD) of Unit-5 without delay.

Sh. Ajay Kumar
AGM (G&G)
VPHEP

Sh. Ajay Kumar was recognized for his timely decision-making and geological expertise during the excavation of the Head Race Tunnel and Tail Race Tunnel. His recommendation to install M50 segments enabled the Tunnel Boring Machine to safely negotiate an unexpected weak geological zone, preventing significant project delays. His technical guidance during the tunnel breakthrough and coordination with CEA, CWC, and GSI also played an important role in mitigating geological risks and ensuring timely project execution.

INNOVATION AWARDS 2026

Sh. D.S Chauhan
AGM (O&M)
Koteshwar

Sh. Ashutosh Gairola
DGM (O&M),
Koteshwar

Sh. Sombeer Singh
DGM (O&M),
Koteshwar

Innovation: Successful adoption and implementation of advanced servo valve-based governing technology and an enhanced differential protection scheme at the Koteshwar Hydroelectric Project to address critical operational and protection-system challenges. The innovation significantly improved unit reliability and control precision, eliminated recurring operational disturbances, strengthened transmission system security, and resulted in higher plant availability, uninterrupted operation, improved grid compliance, and measurable gains in overall operational efficiency.

Sh. Ashutosh Vasant Sanap
Asst. Manager (PSP)
Amba PSP, Maharashtra

Innovation: Conceptualization and development of the Budget Intelligence Portal (BIP), a centralized digital platform providing real-time visibility of budget provisions, allocations, and utilization across departments. By integrating RCE, RBE, and BE data into interactive dashboards and analytical tools, the portal streamlines budget monitoring and reporting, reduces manual effort, enhances financial transparency and budget control, and enables faster, data-driven decision-making, supporting THDC India Limited's digital transformation in budget management.

Sh. J. Sai Raja
Manager (O&M)
Khurja

Innovation: Successful implementation of an online hot-tapping solution to interconnect the compressor cooling water systems of KSTPP Units #1 and #2 without interrupting plant operations. The initiative eliminated a critical single-point dependency, enhanced operational flexibility, enabled essential maintenance activities without shutdown, and improved plant reliability, maintainability, and system resilience, while ensuring uninterrupted power generation and avoiding potential revenue losses of nearly ₹100 crore.

SUGGESTION MELA 2026

Sh. Chandrajeet Singh
Officer (Electrical)
Amelia Coal Mine Project

QR Code-Based Preventive Maintenance & Asset Management System: A digital asset management system wherein each major electrical equipment is assigned a unique QR code linked to its maintenance history, inspection reports, test records, manuals, and upcoming maintenance schedule. The initiative will improve maintenance efficiency, reduce downtime, enhance safety compliance, support paperless record management, and strengthen THDCIL's digital transformation with minimal implementation cost.

Sh. Samrat Mukherjee
Manager (G&G),
Amelia Coal Mine Project

Contract Intelligence & Lessons Learned Repository: A centralized, searchable digital repository to capture contract interpretations, legal opinions, arbitration awards, audit observations, lessons learned, and best contractual practices across THDCIL. The initiative will strengthen institutional knowledge, improve contract management and decision-making, reduce recurring disputes, and generate long-term cost savings through enhanced governance.

Online Stationery Management System: A web/mobile-based digital platform for real-time management of stationery receipts, issues, stock availability, and consumption. The system will enable need-based procurement, reduce manual record-keeping, improve transparency and inventory control, optimize manpower utilization, and ensure efficient resource management with cost savings.

Sh. Sudesh Gora
Manager (Civil)
Khurja

Online THDCIL Directory/HRMS App: A secure mobile application integrated with HRMS to provide employees with access to the official employee directory, blood groups, and other permissible official information. The app, accessible through HRMS login, may also include an Emergency SOS feature to facilitate quick communication and support during emergencies.

Consolation Prize
Sh. Sachin Mittal
Sr. Manager (Services)
Rishikesh

Digital Knowledge Centre (DKC): A PAN-THDCIL digital knowledge-sharing platform under HRD to facilitate periodic "Know Your Project/Unit" presentations, a structured online problem-solving forum, and an annual knowledge & collaboration townhall. The initiative aims to enhance cross-functional learning, strengthen organizational integration, encourage innovation, and build a culture of continuous knowledge sharing through a cost-effective digital framework.

Consolation Prize
Sh. Suraj Agarwal
Sr. Manager (S&E)
Rishikesh

Housekeeping Award for Upkeep of Residential Area/ Colony-2026

1 Rishikesh   2 Tehri

Plant Housekeeping Award-2025

1 Koteshwar   2 Khurja

Housekeeping Award for Upkeep of Offices-2026

1 Kaushambi   2 Pipalkoti

Housekeeping Award for Upkeep of Guest House/ Field Hostel-2026

1 Pipalkoti   2 Rishikesh

MERITORIOUS STUDENTS AWARDS 2026

CLASS X CBSE CATEGORY

VEDANT BADONI
S/O Sh. Vivek Badoni, DGM Finance, Rishikesh,
95.66% Marks

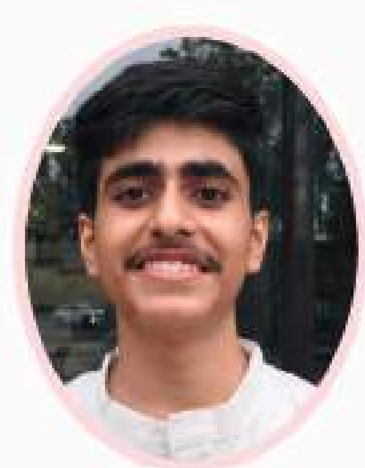

BHASHIT CHAUDHARY
S/O. Dr. Vibha Chaudhary, CMO Dispensary, Rishikesh
95.16%

SHREYA SINGH
D/o Sh. Bablu Kumar Singh
Manager (O&M), Khurja STPP
93.83%

MERITORIOUS STUDENTS AWARDS 2026

CLASS X ICSE CATEGORY

SHREYANSH SILWAL
S/O Sh.Vipin Silwal
Dy. Manager (HR&A), Rishikesh
93.66%

ANANYA SAJWAN
D/O Sh.Tajveer Singh Sajwan
Dy. Manager (O&M), Koteshwar
92.66%

TANVI UNIYAL
D/O Sh. Mahesh Kumar Uniyal
Jr. Officer, HOP (TC) Sectt, Tehri
91.66%

CLASS XII CBSE CATEGORY

IHA GHILDIYAL
D/O Santosh Prasad Ghildiyal
Manager(IT), Rishikesh.
94.66%

SURYANSH S. CHAUHAN
S/O Sh. Sanjeev Kumar Chauhan
Former CGM (BD), Rishikesh
94.60%

ADITI GUPTA
D/O Sh. Neeraj Kumar Gupta
AGM (Finance), Rishikesh
93.83%

CLASS XII ICSE CATEGORY

ATHARVA BHATT
S/O Sh. Anunandu Bhatt
Dy. Manager(S&E), Pipalkoti
89.00%

GAURI ASWAL
D/O Sh. Himanshu Aswal
DGM (HR&A), Rishikesh
84.80%

PRARTHNA
D/O Smt. Grace K Satyam
Jr. Officer (Hospital), Tehri
84.66%

ENGINEERING CATEGORY

YOGESH BIJALWAN
S/O Sh. Ramesh Dutt Bijalwan, Technician
PSP (EM & HM)
Rank- 1157 (GATE)

UPSC/PSC/IES CATEGORY

ALOK BHATT
S/O Sh. S. C. Bhat
DGM(QC), VPHEP
Pipalkoti
PSC (Dy. Education Officer)

CLAT CATEGORY

OJAS UNIYAL
S/O Rakesh Uniyal
Manager (S&E)
Khurja
Rank-1066

लेडीज़ क्लब

टीएचडीसी लेडीज वेलफेयर एसोसिएशन 'तेजस्विनी' द्वारा वार्षिक उत्सव 'नवरस' का सफल आयोजन

टीएचडीसी लेडीज़ वेलफेयर एसोसिएशन 'तेजस्विनी', ऋषिकेश द्वारा 26 जुलाई, 2026 को वार्षिक उत्सव का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रबंध निदेशक, श्री सिपन कुमार गर्ग एवं मुख्य संरक्षिका, श्रीमती पूजा गर्ग की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर तेजस्विनी परिवार के सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस वर्ष कार्यक्रम की थीम 'नवरस' रही। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं गणेश वंदना के साथ हुआ। इसके उपरांत नवरस की मनोहारी प्रस्तुति के माध्यम से भारतीय साहित्य, संगीत, नृत्य एवं नाट्य परंपरा में वर्णित मानव भावनाओं के नौ प्रमुख रसों को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया। प्रतिभागियों ने अपनी सशक्त एवं आकर्षक प्रस्तुतियों से प्रत्येक रस के भावों को अत्यंत प्रभावशाली ढंग से मंच पर साकार किया, जिसने उपस्थित सभी दर्शकों का मन मोह लिया।
कार्यक्रम के दौरान ऑडियो-विजुअल आधारित रोचक खेलों एवं क्विज़ का भी आयोजन किया गया, जिनमें सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को आकर्षक उपहार प्रदान कर सम्मनित किया गया।

मंजरी लेडीज़ क्लब, खुर्जा ने किया महिला सुरक्षा कर्मियों का सम्मान

18 जुलाई, 2026 को खुर्जा सुपर थर्मल पावर प्रोजेक्ट में टीएचडीसी लेडीज़ क्लब की मुख्य संरक्षिका, श्रीमती पूजा गर्ग का आगमन हुआ, जहाँ परियोजना परिवार एवं मंजरी लेडीज़ क्लब की सदस्याओं ने उनका आत्मीय स्वागत किया।
इस अवसर पर उन्होंने क्लब की सदस्याओं से संवाद करते हुए महिलाओं की सक्रिय सहभागिता एवं सकारात्मक कार्य संस्कृति पर अपने विचार साझा किए। । श्रीमती पूजा गर्ग ने अपने दायित्वों का निष्ठा, अनुशासन एवं समर्पण के साथ निर्वहन करने वाली महिला सुरक्षा कर्मियों को टोकन ऑफ़ एप्रिसिएशन के रूप में स्मृति-चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने उनके उत्कृष्ट कार्य, प्रतिबद्धता तथा परियोजना की सुरक्षा व्यवस्था में निभाई जा रही महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना करते हुए उनके योगदान के प्रति आभार व्यक्त किया। यह सम्मान महिला सुरक्षा कर्मियों के उत्साहवर्धन के साथ-साथ उन्हें भविष्य में भी इसी समर्पण एवं प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित करने वाला रहा। इस अवसर पर श्रीमती बिनिता शरद, श्रीमती रीता साहू तथा मंजरी लेडीज़ क्लब की सदस्याएँ उपस्थित रहीं।

तेजस्विनी द्वारा वेलफेयर कार्यक्रम का गरिमामय समापन एवं मासिक सामान्य सभा का आयोजन

टीएचडीसी लेडीज़ वेलफेयर एसोसिएशन 'तेजस्विनी', ऋषिकेश द्वारा 15 जुलाई, 2026 को लेडीज़ क्लब के नव-निर्मित कक्ष में आउट हाउसेज़ में निवासरत बच्चों के साथ संचालित वेलफेयर कार्यक्रम का समापन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ बच्चों द्वारा प्रस्तुत ईश्वर वंदना एवं मुख्य संरक्षिका, श्रीमती पूजा गर्ग के सम्मान में स्वागत गीत से हुआ। इस अवसर पर आउट हाउसेज़ के कुछ बच्चों ने स्वयं प्रशिक्षक बनकर अन्य बच्चों को नृत्य का प्रशिक्षण दिया। उनकी प्रतिभा, नेतृत्व क्षमता एवं समर्पण की सराहना करते हुए मुख्य संरक्षिका ने उन्हें प्रोत्साहन स्वरूप पुरस्कार प्रदान किए। इसके पश्चात बच्चों ने आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। समारोह के उपरांत तेजस्विनी की मासिक सामान्य सभा आयोजित की गई। इस अवसर पर श्रीमती वंदना कंसल एवं श्रीमती गीता सरियाल को भावभीनी विदाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दी गईं। सदस्याओं के लिए मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया तथा जुलाई माह में जन्मी सखियों का जन्मोत्सव भी हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

HRD Corner

Orientation Program for Newly Inducted Employees in E2 Grade (December-2025 to June-2026 Batch)

Recognizing that early organizational exposure plays a vital role in employee engagement, confidence building, and long-term performance, an Orientation Program was successfully organized from 27th to 31st July 2026 at THDCIL's Takshshila-Sustainable Livelihood & Community Development Centre, Rishikesh, for newly inducted employees who joined the corporation between December-25 and June-26 and got posted at different Projects/Units. The program was designed to facilitate a smooth transition of newly inducted officers into the organization by familiarizing them with THDCIL's vision, strategic priorities, organizational culture, and business operations.

The learning sessions were delivered through a blend of in-house faculty members and distinguished external experts, covering diverse topics such as THDCIL's Vision, Mission & Core Values, Organizational Structure, Human Resource Policies, Corporate Social Responsibility (CSR), Professional Etiquette, Effective Communication, Time Management, Workplace Ethics, and Organizational Expectations, etc.

A key highlight of the program was the one-day technical visit to the Tehri Hydro Power Project, THDCIL's flagship project. The visit enabled them to appreciate the scale of THDCIL's operations, understand the technological and engineering excellence behind hydro power generation, and connect classroom learning with practical field experience

'समर स्पोर्ट्स इवेंट–2026' का पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित

स्वस्थ, ऊर्जावान एवं समावेशी कार्य संस्कृति को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 12 से 19 जून, 2026 तक कारपोरेट कार्यालय में 'समर स्पोर्ट्स इवेंट–2026' का सफल आयोजन किया गया। 23 जुलाई, 2026 को इसके समापन अवसर पर आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. ए. एन. त्रिपाठी, मुख्य महाप्रबंधक (मा. सं. एवं प्रशा. व के. सं.) रहे। उन्होंने विजेताओं एवं सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए खेलों के महत्व पर प्रकाश डाला। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि खेल न केवल शारीरिक स्वास्थ्य और मानसिक संतुलन को सुदृढ़ करते हैं, बल्कि अनुशासन, टीम भावना तथा संतुलित जीवनशैली के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों से भविष्य में भी ऐसे आयोजनों में सक्रिय सहभागिता करने का आह्वान किया। इस अवसर पर श्री डी. पी. पात्रो, अपर महाप्रबंधक (मा. सं. एवं प्रशा. व के. सं.) भी उपस्थित रहे |

सप्ताहभर चले इस आयोजन में 90 से अधिक कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिताओं में शतरंज, कैरम, टेबल टेनिस तथा बैडमिंटन जैसी विभिन्न खेल विधाओं का आयोजन किया गया। कर्मचारियों, उनके जीवनसाथियों तथा बच्चों ने अपनी प्रतिभा, प्रतिस्पर्धात्मक भावना और खेल कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जिससे पूरा आयोजन उत्साहपूर्ण एवं यादगार बन गया।

आत्मबलं स्मर बाहुबलं धर परमुखप्रेक्षी मा भूः।
Remember your strength. Hold your strength. Have faith in yourself.

Beyond the Desk

Green Hydrogen: Powering Tomorrow with Water and Sunlight
Inside THDC's Pioneering Green Hydrogen Plant at Rishikesh

Sh. Praveen Chandra Thapliyal
DGM (MPS Dept.)
Rishikesh

Sh. Raghvendra Kumar Srivastava
Manager (MPS Dept.)
Rishikesh

Sh. Manish Kumar
Asst. Manager (MPS Dept.)
Rishikesh

"What if the fuel of the future could be produced using nothing more than water and sunlight? At THDCIL's Green Hydrogen Plant in Rishikesh, that future has already begun."

The Dawn of a Clean Energy Revolution

As the world accelerates its transition away from fossil fuels, Green Hydrogen has emerged as one of the most promising pathways toward a sustainable and carbon-neutral future. Produced through the electrolysis of water using renewable energy sources such as solar or wind power, green hydrogen offers a clean, versatile, and emission-free alternative to conventional fuels.

Unlike hydrogen produced from fossil fuels (known as Blue/ Grey/ Black hydrogen), Green hydrogen generates negligible greenhouse gas emissions during production. Because of its ability to store energy, decarbonize industries, and support clean mobility, Green hydrogen is increasingly being recognized as the "fuel of the future."

Recognizing its strategic importance, the Government of India launched the National Green Hydrogen Mission (NGHM) in January 2023 with a financial outlay of ₹19,744 crore. The mission aims to establish India as a global hub for production, utilization, and export of Green Hydrogen while significantly reducing dependence on imported fossil fuels. Though, Hydrogen gas is colourless, however it is colour coded based on type of power used to generate it – as Green, Blue, Grey, Black & Brown Hydrogen. Under the Green Hydrogen Standards notified by the Government of India, hydrogen is classified as "green hydrogen" when the associated well-to-gate emissions do not exceed 2 kg of CO_2 equivalent per kilogram of hydrogen produced.

National Green Hydrogen Mission: India's Ambitious Vision

The National Green Hydrogen Mission has established several ambitious targets to be achieved by the year 2030:

- Production of at least 5 Million Metric Tonnes (MMT) of green hydrogen annually
- Addition of nearly 125 GW of renewable energy capacity dedicated to hydrogen production
- Mobilization of investments exceeding ₹8 lakh crore
- Generation of more than 6 lakh employment opportunities
- Reduction of nearly 50 MMT of annual greenhouse gas emissions

The mission has strategically allocated a capital outlay of ₹19,744 crore across four key areas for the implementation period from FY 2023–24 to FY 2029–30:

- SIGHT Programme (Strategic Interventions for Green Hydrogen Transition): ₹17,490 crore for incentives related to electrolyzer manufacturing and hydrogen production
- Pilot Projects: ₹1,466 crore for demonstration and commercial-scale applications
- Research & Development: ₹400 crore for technological innovation and ecosystem development
- Other Components: ₹388 crore for infrastructure and mission implementation support

THDCIL's Green Hydrogen Plant at Rishikesh

Nestled at the foothills of the Himalayas, the pilot Green Hydrogen Plant established by THDC India Limited at Rishikesh represents an important milestone in India's clean energy journey. The plant demonstrates how renewable energy can be harnessed to produce clean fuel with minimal environmental impact. The facility uses solar photovoltaic (PV) energy to power an alkaline water electrolysis system that splits water (H_2O) into Hydrogen (H_2) and Oxygen (O_2) gases without producing harmful carbon emissions.

The project stands as a practical demonstration of India's emerging green hydrogen ecosystem and showcases the technological feasibility of sustainable hydrogen production. The hydrogen generated at the plant is currently being utilized for electricity generation through a fuel cell system, while the oxygen produced during electrolysis process is safely vented to the atmosphere, with potential future applications in industrial and medical sectors.

The Science Behind Green Hydrogen

At the heart of the plant lies the process of alkaline water electrolysis - one of the most efficient and mature technologies for green hydrogen production.

In this process, electrical energy is used to split water molecules (H_2O) into hydrogen (H_2) and oxygen (O_2) gases. Potassium Hydroxide (KOH) solution acts as the electrolyte and facilitates the movement of hydroxide ions between the electrodes, thereby improving conductivity and electrolysis efficiency.

KOH is selected because of its:

- High ionic conductivity,
- Excellent electrochemical stability,
- Low electrical resistance,
- Proven industrial reliability.

The electrolyte solution, commonly referred to as lye solution, is prepared by mixing KOH with Demineralized (DM) water to achieve a specific gravity of approximately 1.2.

Electrochemical Reactions during Electrolysis of Water:

Cathode Reaction (Hydrogen Evolution)

$$2H_2O+2e^- \rightarrow H_2+2OH^-$$

Hydrogen gas is generated at the cathode.

Anode Reaction (Oxygen Evolution)

$$2OH^- \rightarrow \frac{1}{2} O_2 + H_2O + 2e^-$$

Oxygen gas is generated at the anode.

Overall Electrolysis Reaction

$$H_2O \rightarrow H_2 + \frac{1}{2} O_2$$

How the Plant Operates

The hydrogen production process at the plant follows a carefully engineered sequence designed to maximize operational efficiency, safety, and gas purity.

Step 1: Preparation of Electrolyte Solution (Lye)

Potassium Hydroxide is mixed with DM water to prepare the alkaline electrolyte solution (called Lye). The prepared lye solution is circulated into the electrolysis chamber through a dedicated circulation system.

Step 2: Electrolysis Process

Electricity generated from the 1 MW solar photovoltaic (PV) plant is first supplied to the electrical grid and subsequently drawn from the grid to power the electrolysis system. The electrical energy is first converted into Direct Current (DC) using rectifier and applied across the anode and cathode electrodes immersed in the electrolyte solution.

Under the influence of electrical energy:

- Hydrogen gas evolves at the cathode
- Oxygen gas evolves at the anode

The alkaline electrolyte (KOH) facilitates ionic movement between the electrodes, thereby improving conductivity and enhancing the overall efficiency of the electrolysis process.

Step 3: Gas Collection

The generated gases initially contain traces of:

- Moisture
- Electrolyte droplets
- Fine impurities

Hydrogen and oxygen are therefore collected separately through dedicated gas collection systems.

Step 4: Electrolyte Recovery

The gas streams are passed through separator chambers where electrolyte droplets settle due to gravity (KOH is heavier than H_2, O_2 & H_2O). The recovered electrolyte is recirculated back into the electrolysis chamber, minimizing losses and improving operational efficiency.

Step 5: Gas Drying and Purification

To achieve higher purity levels, the hydrogen and oxygen gases pass through a multi-stage moisture removal and purification system. Residual moisture is removed through a dedicated three-cylinder drying arrangement, producing high-purity gases suitable for industrial and fuel-cell applications.

Step 6: Gas Storage and Utilization

The purified gases are finally stored in separate dedicated storage vessels.
At present:

- Hydrogen is utilized for electricity generation through a fuel cell system
- Oxygen is safely vented to the atmosphere

Future utilization of oxygen may include industrial, medical, and metallurgical applications.

Major Components of the Plant

Solar Power System

The plant derives electrical energy for electrolysis from solar photovoltaic panels. By utilizing renewable energy, the plant ensures environmentally sustainable hydrogen production with a very low carbon footprint.

Electrolyzer Unit

The electrolyzer serves as the core of the hydrogen production system and consists of:

- Anode
- Cathode
- Electrolyte chamber
- Separator/diaphragm

The separator prevents mixing of hydrogen and oxygen gases while allowing ionic transfer between electrodes.

Gas-Liquid Separation Chambers

These chambers remove electrolyte droplets and moisture from the gas streams while enabling recovery and recirculation of the electrolyte solution.

Three-Cylinder Drying System

Residual moisture adversely affects gas purity. The plant therefore employs a three-stage drying system to ensure production of high-purity hydrogen and oxygen gases.

PLC-Based Automation and Safety System

The plant incorporates an advanced Programmable Logic Controller (PLC)-based monitoring and protection system that continuously supervises:

- Hydrogen leakage
- Gas purity
- Moisture levels
- Pressure and temperature conditions
- Electrical parameters

In case of any unsafe operating condition, the PLC system automatically isolates the electrical supply and initiates protective actions to ensure safe plant operation.

Applications of Green Hydrogen

The hydrogen produced at the plant can be utilized for:

- Electricity generation through fuel cells
- Industrial fuel applications
- Fertilizer and chemical industries
- Fuel-cell-based mobility solutions
- Renewable energy storage systems
- Decarbonization of hard-to-abate industrial sectors

In THDCIL, we are currently using the Hydrogen for electricity generation through Fuel Cells.

Oxygen Applications

Although oxygen generated during electrolysis is presently vented safely to the atmosphere, it can also be utilized in:

- Medical applications
- Steel and metallurgical industries
- Welding and fabrication processes
- Water treatment plants

Since every kilogram of hydrogen production generates a substantial quantity of oxygen, future utilization of oxygen can further improve the economic viability of green hydrogen projects.

Economics of Crude Oil, Green Hydrogen and US Dollar

India currently imports a significant portion of its crude oil requirements, making the economy vulnerable to fluctuations in global petroleum prices and foreign exchange outflow in terms of dollar payments. Rising crude oil prices not only increase the national import bill but also impact inflation, transportation costs, and overall energy security. In this context, green hydrogen offers a transformative opportunity for India by enabling the production of clean fuel domestically using abundant renewable energy resources such as solar and wind power.

The large-scale adoption of green hydrogen can help reduce dependence on imported fossil fuels, decrease foreign currency expenditure on petroleum imports, strengthen energy self-reliance, and support long-term economic sustainability. Additionally, the development of a domestic green hydrogen ecosystem is expected to stimulate investment, generate employment, promote technological innovation, and position India as a global leader in clean energy transition.

A Blueprint for India's Sustainable Energy Future

The Green Hydrogen Plant at THDCIL, Rishikesh represents far more than a technological achievement. It serves as a practical demonstration of how renewable energy, advanced electrochemical systems, and intelligent automation can together create a cleaner and more sustainable energy ecosystem.

By integrating solar energy with alkaline electrolysis technology, the plant produces hydrogen without harmful carbon emissions while maintaining high standards of operational safety and efficiency.

Projects such as this align closely with the vision of India's National Green Hydrogen Mission and contribute toward:

- Energy security
- Reduction in fossil fuel dependence
- Industrial decarbonization
- Sustainable economic growth
- Achievement of long-term climate goals

As India progresses toward its target of producing 5 MMT of green hydrogen annually by 2030, facilities like the one developed by THDC India Limited will play a critical role in technology demonstration, skill development, and public awareness.

The future energy transition will not be driven solely by policies and targets, but by pioneering projects that transform innovation into reality. At Rishikesh, THDCIL has demonstrated that the journey toward a low-carbon future has already begun, powered by nothing more than water, sunlight, and human ingenuity.

आत्मबलं स्मर बाहुबलं धर परमुखप्रेक्षी मा भूः।
Remember your strength. Hold your strength. Have faith in yourself.

भावभीनी विदाई एवं सुखद भविष्य की शुभकामनाएं

Sh. Ajay Kumar Kansal,
GM (Services)
Rishikesh
DOR: 31.07.2026

Sh. Ajay Kumar Kansal, GM (Services), Corporate Office, Rishikesh, superannuated on 31st July, 2026 after rendering more than three decades of dedicated service in the Hydro Power Sector.

A Civil Engineering graduate, he holds an M.Tech. in Water Resources and Development Management from IIT Roorkee. He joined THDC India Limited in October 1989 in the Design & Engineering Department.

During his tenure, he served in various capacities across Design & Engineering, Corporate Planning, MPS, and Technical Secretariats. He also headed the Dam & Spillway, Power House, Environment, and Services departments, and contributed to several key assignments, including the preparation of the Geotechnical Baseline Report (GBR) for the Vishnugad Pipalkoti Hydro Electric Project (444 MW). His contributions to THDCIL will always be remembered.

डॉ. रवि शंकर कुमार श्रीवास्तव
मुख्य चिकित्साधिकारी
टिहरी चिकित्सालय
सेवानिवृत्ति: 31.07.2026

श्री गिरीश चंद्र जोशी
वरिष्ठ प्रबंधक (कॉस्ट इंजीनियरिंग)
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति: 31.07.2026

श्री राजेंद्र सिंह सरियाल
उप प्रबंधक (मा. सं. एवं प्रशा.)
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति: 31.07.2026

श्री सोबन चंद कुमांई
कनिष्ठ अधिशासी (कार्या. प्रशा.)
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति: 31.07.2026

श्री जय प्रकाश डोभाल
कनिष्ठ अभियंता (गुणवत्ता नियंत्रण)
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 31.07.2026

श्री शिव शरण उनियाल
उप अभियंता (इलेक्ट्रिकल)
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 31.07.2026

श्री धर्म पाल सिंह
उप अभियंता (पी.एस.डी.)
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 31.07.2026

श्री संतोष सिंह तोपवाल
उप अभियंता (पी.एस.डी.)
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 31.07.2026

श्री इंदर सिंह
हैल्पर (मा. सं. एवं प्रशा.)
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति: 31.07.2026

श्री रोहिताश सिंह
हैल्पर (ओ & एम)
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 31.07.2026

Designed In-House by Corporate Communication Department, Rishikesh

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड
THDC INDIA LIMITED

डॉ. ए. एन. त्रिपाठी, मुख्य महाप्रबंधक (मा. सं. एवं प्रशा. व जनसंपर्क) द्वारा टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के लिए गंगा भवन, प्रगतिपुरम, बाईपास रोड़, ऋषिकेश- 249201 (उत्तराखंड) से प्रकाशित
फोन: 0135-2473504, वेबसाइट: www. thdc. co.in, ईमेल: prthdcil@thdc.co.in
गृह पत्रिका/न्यूज लेटर में प्रकाशित लेखों/रचनाओं में व्यक्त किए गए विचार लेखकों के अपने हैं और उनसे टीएचडीसीआईएल प्रबंधन का सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
(निशुल्क आंतरिक वितरण के लिए)